भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1961
जिसका उत्तर बुधवार 2 अगस्त, 2017 को दिया जाना है

सकल घरेलू उत्पाद में ऑटोमोबाइल क्षेत्र का योगदान

1961. श्री मो नदीमुल हक:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या मंत्रालय यह अपेक्षा रखता है कि अगले दशक में सकल घरेलू उत्पाद में ऑटोमोबाइल क्षेत्र का योगदान वर्तमान 7.1 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 12 प्रतिशत हो जाएगा;

(ख) मंत्रालय द्वारा तैयार इस रूपरेखा का ब्यौरा क्या है जिसके माध्यम से इतनी अधिक वृद्धि संभव है;

(ग) पिछले तीन वर्षों में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में ऑटोमोबाइल उद्योग में वृद्धि के योगदान का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) वर्ष 2014 के बाद भारत के सकल घरेलू उत्पाद में ऑटोमोबाइल उद्योग के योगदान में वृद्धि करने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क) और (ख): जी, हां। ऑटोमोटिव मिशन प्लान 2026 का उद्देश्य अगले दशक में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 12% से अधिक की वृद्धि करके भारतीय ऑटोमोटिव उद्योग को इंजीनियरिंग, विनिर्माण, वाहनों के निर्यात और वाहनों और कलपुर्जों के निर्यात के मामले में विश्व के शीर्ष तीन देशों में स्थान दिलाना है।

(ग): सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सिआम) द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत के सकल घरेलू उत्पाद में ऑटोमोबाइल के योगदान में वृद्धि का वर्ष-वार ब्यौरा निम्नानुसार है:-

(₹ में)

उत्पादन लागत पर जीडीपी आधारित परिकलन (आधार वर्ष 2004-05)		मूल लागत पर सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) आधारित परिकलन (आधार वर्ष 2011-12)			
संकेतक	2014-15	संकेतक	2014-15	2015-16	2016-17
ऑटो उद्योग कारोबार (आधार मूल्य 2004-05)	4,419	ऑटो उद्योग कारोबार (आधार मूल्य 2004-05)	5,562	6,123	6,604
उत्पादन लागत 2004-15 पर जीडीपी	61,483	उत्पादन लागत 2004-15 पर जीडीपी	97,190	104,910	111,850
राष्ट्रीय उत्पादन में योगदान	7.2%	राष्ट्रीय उत्पादन में योगदान	5.7%	5.8%	5.9%

(घ): भारत सरकार ने वर्ष 2014 में मेक इन इंडिया नीति की घोषणा की थी और ऑटोमोटिव उद्योग इस स्कीम के तहत निर्धारित एक मुख्य उद्योग है। स्कीम की शुरूआत से लेकर अब तक क्षमता निर्माण, अनुसंधान एवं विकास आदि में भारी निवेश किया गया है।

****